Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 10-03-2006
Participants : Malhotra Prof. Vijay Kumar,Singh Shri Prabhunath,Chatterjee Shri Somnath

Title : Regarding security lapses in the Parliament House Complex.

MR. SPEAKER: Prof. Vijay Kumar Malhotra, before you make your submission I have a request to you. The matter of security that you are going to refer is entirely within the jurisdiction of the Speaker, but you seem to be agitated about it. I request you earnestly that you may refer to just what you think to have been done. I will personally look into it and call a meeting of the leaders so that they may be fully apprised of it.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, आपने जो बात कही है, वह ठीक ही है, परंतु सिक्योरिटी के मामले में एक भयंकर चूक हुई है। जब संसद पर हमला हुआ था, उसके बाद एक कमेटी बनाई गई थी। उस कमेटी ने 200 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करके इस बात का दावा किया था कि यहां पर बिना अनुमति के कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता। इस सम्बन्ध में आपने सभी सांसदों को पत्र लिखा था कि आप सहयोग करें और कोई भी शस्त्र न लेकर आएं। इसके अलावा मंत्रियों या अन्य लोगों के जितने भी सिक्योरिटी गाड्र्स हैं, उन्हें संसद भवन से दो-तीन फर्लांग दूर उतार दिया जाता है। संसद के परिसर में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं आ सकता है। ऐसी स्थिति में एक सिक्योरिटी गार्ड यहां पर न केवल आया, बल्कि रिवॉल्वर लेकर आ जाए और स्पीकर गैलरी तक आ जाए, उसके बाद यह बात सामने आए, तो मैं कहना चाहता हूं कि क्या ... *

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not right. I have told you that I am gathering the facts.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have myself said that I am looking into the matter and a report is coming to me.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is unfair. Don't overreact. Please take your seat.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am wondering who will be my first victim. Somebody has to be the first victim. You are deliberately defying the Chair, there is a limit to it.

… (*Interruptions*[k2])

---

* Not Recorded.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, I am not saying anything else. I am only saying that the law is for everybody… (*Interruptions*) सिक्योरिटी का मामला सबका एक जैसा होना चाहिए। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा जी, कभी-कभी आप भूल जाते हैं कि एक रोज आप प्रोफैसर थे। हम यह रिक्वैस्ट करते हैं कि the matter is serious. I have asked for a report. I will personally look into it. Whatever I have come to learn, I will share it with the hon. Leaders. Although, it is a matter within the jurisdiction of the Speaker, I want to inform everybody so that you may know and if any suggestions are there, we shall certainly look into them.

… (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, I fully agree with you. आप जो कह रहे हैं वह सब ठीक है लेकिन यह इम्प्रेशन जाना … *

MR. SPEAKER: That should be deleted.

Thank you very much for your cooperation. This is what I need.

… (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : हमारा इस पर कार्य स्थगन का नोटिस है।…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने बोल दिया है, प्रोफैसर साहब भी राजी हो गये हैं। आपका नाम भी उसमें आ जाएगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : नाम तो हमारा वैसे भी आ जाता है। लेकिन हमने इस पर जो कार्य स्थगन का नोटिस दिया है।...(व्यवधान) हमें बोलने की अनुमति दी जाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जब हम बोलेंगे और आप सहमत नहीं होंगे, तभी आप बोलेंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : आपने सुबह कहा था कि आप बैठ जाइये, हम आपको 12 बजे समय देंगे। हमने आपके आदेश का पालन किया, इसलिए आप भी अपने वचन से पीछे मत हटिये। यह हम आपसे निवेदन कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : हम पीछे कभी नहीं हटते। आपकी जो रिक्वैस्ट थी वह हमने मान ली है। ठीक है आप बोलिये। I will decide what is admissible and what is not.

---

* Not Recorded.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम आपका और पूरे सदन का ध्यान आकृट करना चाहते हैं कि जब हम लोग सुबह हाउस में आते हैं तो सिक्योरिटी के लोग शीशा खुलवाकर चैक करते हैं और जब तक हमारा मुंह ठीक से नहीं देख लेते हैं तब तक नहीं कहते हैं कि बैरीकेड हटाइये। अगर शीशा बंद रह गया तो गाड़ी खड़ी करके एक-दो मिनट तक इंतजार करना पड़ता है।

अध्यक्ष महोदय : आपका शीशे काले होंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सरकार ने निर्णय किया है कि एयरपोर्ट से जो गुजरेगा तो उसकी सिक्योरिटी की कितनी जांच होगी, कैबिनेट मंत्री की कितनी और अन्यों की कितनी .. *

MR. SPEAKER: I am sorry, this should be deleted.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is deleted, do not record anything.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये।

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not right.

… (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : .यह क्या हो रहा है ...*

MR. SPEAKER: That is not recorded.

श्री प्रभुनाथ सिंह : कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ...(व्यवधान) यह कहां तक उचित है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठिये। I have committed myself on the floor of the House that I will share with you the information that I shall get. I have asked for a report.

... (*Interruptions*)

SHRI SACHIN PILOT (DAUSA): Sir, why must he make such kind of a statement?... (*Interruptions*)

---

* Not Recorded.

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। I have asked them to sit down.

(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : हर मैम्बर की फ्रिस्किंग होती है...(व्यवधान) लेकिन यहां एक आदमी की फ्रिस्किंग नहीं होती है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा जी, प्रोफेसर साहब आप लोग बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am appealing to you all. I am resenting it whoever is defying the Chair. Do not think that I am not keeping note of this. I am keeping note of this and one day somebody has to face it.

... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बिना परमीशन लिए, सीट पर बैठकर बात मत कीजिए।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have not minimised the importance of the matter. I have been repeatedly making a request to you all. If you do not have the slightest faith in the Chair, I do not know how this House can function. I have given you my submission. Let me get a report. Let me study it. I share the information with you, with all the leaders, and even then you are not satisfied.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या बात है? आप किस बात को महत्व देते हैं? क्या इससे आपकी छवि अच्छी हो रही है?

...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आप इनके बाद बोल सकते हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने इनको भी डांटा है। हम आपसे रिक्वेस्ट करते हैं, लेकिन उनको डाटते हैं, क्योंकि वे रूलिंग पार्टी के सदस्य हैं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप मिलेट्री मैन हैं, आप बैठ जाइए। मिलेट्री मैन ऐसा नहीं करते हैं।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खंडूडी (गढ़वाल) : आप उनको डांटते हैं, लेकिन देखते हमारी तरफ हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह गलत बात है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: My earnest request to all of you is this. Let us not make it a politically controversial matter for political purpose. Let us at least keep the glory of the institution.

… (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : There is a limit ... *(Not recorded)*

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Sir, how can he say that? What is this? … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

*(Interruptions) ... **

MR. SPEAKER: Now, Shri Hannan Mollah.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is very unfortunate. I am requesting everybody. If these are the languages that are used on the floor of the House, it is very unfortunate. I strongly condemn the use of such language which is nothing but provocative.

… (*Interruptions*)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI S. JAIPAL REDDY): Sir, we want you to expunge that expression from the record. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing derogatory will be recorded and all that to be deleted.

Now, Shri Hannan Mollah is raising a very important public matter.

अध्यक्ष महोदय : जो भाा आप प्रयोग कर रहे हैं, वह आपको शोभा नहीं देती है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने बोलना बंद कर दिया है, अब आप लोग ही ऐसा कर सकते हैं।

...(व्यवधान)

*** Not Recorded.**

अध्यक्ष महोदय : क्या-क्या परमिटेड है, क्या यह आप लोग बताएंगे?

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Hannan Mollah is raising an important matter.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have made my position absolutely clear.

… (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, Ministers are defying the Chair. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Sir, nobody is defying me. Nobody has courage to do that. Those who defy know in their hearts that they are not serving the cause of democracy.

Now, Shri Hannan Mollah.